[Shri V. S. Vijayaraghavan]

to pay urgent attention to this problem. The excise duty imposed on beedi should be shifted on to tobacco. The present system of exemption to unbranded beedi from the incidence of excise has in fact created this problem.

Therefore, either the Government should withdraw the excise duty on beedi or levy the duty uniformly on branded as well as unbranded beedi.

I request the Government to take immediate steps in this regard and save the beedi industry in Kerala.

*(Interruptions)***

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing except 377 will go on record. I request you in the Gandhian way to go to your seat.

(ii) NEED TO CONVERT MURTIZAPUR-YAVATMAL NARROW GAUGE LINE INTO BROAD GAUGE RAILWAY LINE

SHRI UTTAMRAO PATIL (Yavatmal): Mr. Deputy-Speaker, Sir, the trains between Murtizapur and Yavatmal in Maharashtra are running on narrow gauge line with old model engine. These trains take more than 10 to 12 hours to cover the distance of 250 kms.

Demand for conversion of these lines into broad gauge is due since long. It is also a fact that the trains are run by some private foreign company.

It is far beyond the tolerance of the travelling passengers to cooperate with railway authority and 'Rail Roko' agitation has been launched by some youth organisations from 10th August, 1981.

Circumstances demand that the Central Government should intervene and convert this narrow gauge into broad gauge and also provide other facilities to the passengers in order to stop the agitation and speeding up of trains.

(iii) DETERIORATING LAW AND ORDER SITUATION IN DELHI

**श्री भोड़ू राम जैन** (चांदनी चौक) : उपाध्यक्ष महोदय, दिल्ली में ला एंड आर्डर की स्थिति भयंकर हो गई है, सरे-आम असामाजिक तत्व भले आदमियों को जान से मार देते हैं, लोगों के जान-माल की सुरक्षा नहीं रह गई है। पुलिस बिल्कुल निष्क्रिय हो गई है। यहां तक कि लोगों की एफ. आई. आर. तक दर्ज करने में हिलो-हुज्जत की जाती है। अपराधियों का पता लगाने में पुलिस नाकामयाब रहती है।

दिनांक 11-9-81 की रात्रि के 8.30 बजे दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में भागीरथ प्लेस में होल-सेल बिजली मार्किट के एक आशु नामक 22 वर्षीय युवक की वहीं पर रहने वाले कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा हत्या कर दी गई, फलस्वरूप 12-9-81 को तमाम बिजली मार्किट बंद रही। सारे इलाके में असुरक्षा की भावना व असंतोष व्याप्त है। वहां के निवासियों का कहना है कि पुलिस की असामाजिक तत्वों से मिली भगत है, इसीलिये शिकायत करने पर भी पुलिस उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं करती है। असामाजिक तत्व खुलेआम वहां के दुकानदारों को धमकी दे जाते हैं और इस युवक की हत्या पुलिस की ढील डाल का ही एक कारण है। पुलिस हत्यारे का पता लगाने और गिरफ्तार करने में असफल रही है।।

इसी प्रकार उसी दिन 11-9-81 को रात्रि के समय दिल्ली के उपराज्यपाल के निवास के बाहर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा गोली चलाने से एक सिपाही की तत्काल मृत्यु हो गई और दूसरा सिपाही घायल हो गया। दिल्ली की पुलिस इस अपराध को साधारण अपराध मान रही है जब कि केन्द्रीय अन्वेषण एजेंसियां उसे गंभीर अपराध मानती हैं। इस कांड में भी पुलिस

**Not recorded.